प्रगति के
सोपान

हीरक जयन्ती की ओर बढ़ते कदम

(2011-2016)

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति

श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) राजस्थान

Email: hindipracharsamiti@gmail.com

1961

हीरक जयन्ती
की
ओर बढ़ते कदम

प्रगति के सोपान

(2011-2016)

सम्पादक

रवि पुरोहित

श्रीभगवान सैनी

विजय महर्षि

प्रकाशन : 2016

आवरण : गौरीशंकर आचार्य

प्रकाशक : **राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति**

एनएच 11, जयपुर रोड़, श्रीडूंगरगढ (राज.) 331803

मुद्रक : महर्षि प्रिंटर्स, श्रीडूंगरगढ़-331803 (राज.)

रू-ब-रू...

विचारशीलता की कर्म स्थली : राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़

मखमलिया रेत के टीलों से घिरा कस्बा श्रीडूंगरगढ़ जो लम्बे समय से सिने-जगत् का आकर्षण व व्यावसायिक केन्द्र रहा है, विगत वर्षों से, साहित्यकारों, लेखकों, विचारकों, चिंतकों, इतिहासविदों एवं भाषाविदों का सिरमौर या लाक्षणिक रूप में छोटी काशी बना हुआ है। इस विचार-क्रान्ति का समूचा श्रेय जाता है स्थानीय संस्था राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति को।

वर्ष 1961 में पुरोधाओं की मित्र-मण्डली द्वारा चाय की चुस्कियों के संग महज सांस्कृतिक वातावरण निर्माण के लिए गठित इस संस्था के स्थापक विचारकों ने भी शायद यह कल्पना नहीं की थी कि उनका यह तात्कालिक सांस्कृतिक दृष्टिकोण कालान्तर में एक वट-वृक्ष का रूप लेकर समूचे देश के शब्द-कमियों का अनुराग केन्द्र व विचार स्थल बन जायेगा।

रद्दी करार दिये गये कागजों की छंटाई कर तराशी गई खाली कतरनों से प्रारम्भ हुई इस संस्था का लगभग एक बीघा भूमि पर निर्मित 'संस्कृति भवन' आज बरबस ही आमन्त्रित करता प्रतीत होता है। राष्ट्रीय उच्चीकृत राजमार्ग संख्या 11 (बीकानेर-जयपुर) पर अवस्थित संस्था भवन में वर्तमान में एक लाइब्रेरी हॉल, एक वाचनालय कक्ष, एक शोधार्थी रीडिंग रूम, एक कार्यालय कक्ष, एक भण्डार कक्ष वातानुकूलित विश्राम कक्ष, कम्प्यूटर कक्ष, शौचालय-स्नानागार निर्मित है। आयोजनों हेतु (30×40 फुट) का खूबसूरत सभाकक्ष तो जैसे विचार अनुष्ठान का पर्याय ही बन गया है। भवन की भौतिक भव्यता आगन्तुक का सहज ही मन मोह लेती है।

संस्था के पुस्तकालय में भाषा, साहित्य, इतिहास, कला, शोध, सर्वेक्षण, बाल साहित्य आदि विधाओं से जुड़ी पन्द्रह हजार से अधिक पुस्तकें हैं। पुस्तकालय में प्रतिमाह 80 से अधिक साप्ताहिक, पाक्षिक व मासिक-पत्र-पत्रिकाएं पाठकों को पढ़ने के लिए मिलती हैं। सैकड़ों पाण्डुलिपियां (हस्तलिखित) धरोहर के रूप में मौजूद हैं।

सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्द्धन व अनुरक्षण की भावना से स्थापित इस संस्था ने 55 वर्ष के काल में विभिन्न क्षेत्रों में अकल्पनीय कार्य प्रगति की है। प्रभावी नियन्त्रण व कार्यान्वयन के दृष्टिगत संस्था ने भाषा, शोध, सर्वेक्षण, इतिहास व पुरातत्त्व-कला आदि विषयक कार्यों के लिए मरुभूमि शोध संस्थान प्रकोष्ठ एवं राजस्थानी भाषा सम्बन्धी कार्य के लिए राजस्थानी साहित्य संस्कृति पीठ स्थापित कर रखी है। संस्था द्वारा वर्तमान में शोध की महत्त्वपूर्ण पत्रिका 'जूनी ख्यात' (सम्पादक : भंवर भादानी) एवं राजस्थानी लोक चेतना

हीरक जयन्ती की ओर बढ़ते कदम

की त्रैमासिक 'राजस्थली' का नियमित प्रकाशन किया जा रहा है। संस्था द्वारा अभी तक प्रकाशित चार दर्जन से अधिक साहित्यिक कृतियां पाठकों में चर्चा का विषय रही है।

संस्था शिक्षा विभाग से शोध संस्थान के रूप में, राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर से सम्बद्ध संस्था के रूप में, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त और राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर से सन्दर्भ केन्द्र के रूप में स्वीकृत है। इसके अलावा ICHR, दिल्ली; मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, दिल्ली; संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर; जवाहर कला केन्द्र, जयपुर; संस्कृति मंत्रालय, राजस्थान सरकार के अनेक कार्यक्रम संस्था द्वारा करवाये जा चुके हैं।

श्री विष्णु प्रभाकर, राजेन्द्र यादव, से.रा. यात्री, नामवरसिंह, यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र', हरीश भादानी सदृश सैकड़ों लब्ध-प्रतिष्ठ जन संस्था के हित-चिंतक रहे हैं। संस्था द्वारा प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को 'साहित्यश्री' की मानद उपाधि ख्यातनाम रचनाधर्मी को दी जाती है।

संस्था की पहचान व भव्यता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि केन्द्रीय साहित्य अकादमी में राजस्थानी भाषा परामर्श मण्डल के संयोजक मालचन्द तिवाड़ी राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर में अध्यक्ष रहे श्री श्याम महर्षि (वर्तमान में साहित्य अकादमी, दिल्ली की सामान्य सभा के सदस्य भी) व राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर में सरस्वती सभा के सदस्य एवं वर्तमान में साहित्य अकादमी दिल्ली में राजस्थानी भाषा परामर्श मण्डल के सदस्य रवि पुरोहित इसी मंच से जुड़े रहे हैं।

अपनी गतिविधियों और आयोजनों के लिए देश-भर में चर्चित इस संस्था ने प्रगति के न जाने कितने सोपान सहज ही तय कर लिए है। 5 वर्ष पूर्व स्वर्ण जयंती समारोह बेमिसाल भव्यता के साथ मना चुकी यह तपोभूमि अब हीरक जयन्ती के दरवाजे पर दस्तक दे रही है। इतना सब कुछ कर पाना किसी एक व्यक्ति के लिए सम्भव नहीं। तभी तो संस्थाध्यक्ष श्री श्याम महर्षि विभिन्न अवसरों पर इस उपलब्धि का श्रेय श्रीडूंगरगढ़ जनपद की विचारशीलता को समर्पित करते रहे हैं।

हमारा सौभाग्य है कि विगत पांच वर्षों की संस्थानिक गतिविधियों का समग्र संक्षिप्त विवरण इस प्रतिवेदन के माध्यम से प्रस्तुत करने का अवसर हमें मिला। मेरी व साथी सम्पादकों श्रीभगवान सैनी व विजय महर्षि की ओर से श्रीडूंगरगढ़ जनपद, संस्था की कार्यसमिति, विज्ञापनदाताओं, विभिन्न आयोजनों के अतिथियों एवं विभिन्न प्रविधियों में कंधे से कंधा मिलाकर संबल देने वाले संभागियों का शत-शत अभिनन्दन-अभिवंदन।

रवि पुरोहित

ravipurohitu4u@gmail.com

राजस्थान सरकार

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र

क्रमांक-148, 1967-68

यह प्रमाणित किया जाता है कि राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़ जिला चूरू (राज.) संस्था रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1958 अधिनियम नं. 28, 1958 के अंतर्गत रजिस्ट्रीकरण आज किया गया।

यह प्रमाण-पत्र मेरे हस्ताक्षरों और कार्यालय की सील से आज दिनांक बारह माह फरवरी सन् एक हजार नौ सौ अड़सठ को जयपुर में दिया गया।

ह.—
रजिस्ट्रार संस्थाएं
राजस्थान, जयपुर

कार्यालय निदेशक, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर

कार्यालय आदेश

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़ जिला चूरू की शोध संस्था को स्थाई मान्यता दिनांक 1.7.88 से प्रदान की जाती है। विभागीय नियमों की पालना न करने पर स्थाई मान्यता रद्द की जा सकती है।

ह.—
(ललित के. पंवार)
निदेशक
प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक-शिविरा/प्राथ/सी/19483/267/84-88 दिनांक 7.10.88

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है—

1. उपनिदेशक (पुरुष), शिक्षा विभाग, चूरू।
2. जिला शिक्षा अधिकारी (छात्र संस्थाएं), चूरू।
3. मंत्री, राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़ जिला चूरू।
4. अनुभाग अधिकारी, अनुदान अनुभाग, शिक्षा निदेशालय, राज. बीकानेर।
5. रक्षित पंजिका।

ह.—
संयुक्त निदेशक (प्राथमिक)

हीरक जयन्ती की ओर बढ़ते कदम

साहित्यिक संस्था के रूप में मान्यता

National Akedemi, National Academy of Letters
Rabindra Bhawan
NEW DELHI
Telegram : Sahityakar, Phone 386247

सा.अ. 691/2468 दिनांक : 29 जनवरी, 1971

मंत्री
राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति
श्रीडूंगरगढ़ (राजस्थान)

प्रिय महोदय,

30 मई 1969 के हमारे पत्र को देखने की कृपा करें। अब हमें आपको सूचित करते हुए हर्ष है कि साहित्य अकादमी के हिन्दी परामर्श मण्डल एवं कार्यकारी मंडल ने आपको हिन्दी की साहित्यिक संस्था के रूप में मान्यता देने का निर्णय कर लिया है। अलग डाक से हम आपको अपने वार्षिक विवरण की एक प्रति भेज रहे हैं, जिसमें आपको अकादमी की गतिविधियों का परिचय मिल जाएगा। निवेदन है कि आप भी समय-समय पर अपनी संस्था की गतिविधियों से हमें परिचित कराते रहें।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय
ह.—
(डॉ. भारतभूषण अग्रवाल)
सहायक मंत्री

सम्बद्धता प्रमाण-पत्र

राजस्थान साहित्य अकादमी (संगम) उदयपुर, राजस्थान

(राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित 1958 ई.)

क्र. 3070

मंत्री
राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति
श्रीडूंगरगढ़ (राजस्थान)

विषय : संस्था सम्बद्धता

महोदय,

इस कार्यालय के पूर्व प्रेषित पत्र क्रमांक 2935 दिनांक 27.7.83 के क्रम में निवेदन है कि अध्यक्षीय आदेशानुसार रा.भा.हि.प्र. समिति श्रीडूंगरगढ़ को सरस्वती सभा के अनुमोदन की प्रत्याशा में सम्बद्धता प्रदान की जाती है।

कृपया पत्र प्राप्ति सूचना भेजें।

धन्यवाद ।

ह.—
सचिव
राजस्थान साहित्य अकादमी
राजस्थान

1961

हीरक जयन्ती की ओर बढ़ते कदम

नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी

सम्बद्धता प्रमाण-पत्र

पत्रांक-328/85 दिनांक-25.7.77

श्री श्याम महर्षि
मंत्री
राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति
श्रीडूंगरगढ़ (राजस्थान)

प्रिय महोदय,

आपका दिनांक 6.6.77 संख्यक पत्र सभा की 2.7.77 की प्रबंध समिति में रखा गया। इसके संबंध में निम्नलिखित निश्चय किया है

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़, चूरू (राजस्थान) को सूचित किया जाए कि उनकी संस्था इस सभा से सम्बद्ध है, अत: पत्रोक्त समस्त कार्यवाही वे अपनी ओर से भलीभांति कर सकते हैं, इसके लिए सभा की वहां शाखा खोलना आवश्यक प्रतीत नहीं होता।

भवदीय

ह.—

सहायक मंत्री

संदर्भ केन्द्र की स्वीकृति

पत्रांक-702 दिनांक-13.9.84

राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर

श्रीडूंगरगढ़ में राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति रै तैत थापित 'राजस्थानी साहित्य संस्कृति पीठ' एक शुभ चरण है, अपवाद रूपेण संस्था स्तर 14 सितम्बर, 84 रै दिन हिन्दी दिवस रै अवसर पर संदर्भित ग्रंथ अर पत्रिका सैट समर्पित करता थकां अकादमी कानी सूं 'राजस्थानी संदर्भ केन्द्र' री सरुआत श्रीगणेश करता थकां हमा भरोसो राखां हां।

ह.—

सचिव

राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर

राजस्थान सरकार

भाषा एवं पुस्तकालय विभाग

डॉ. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल परिसर, ब्लॉक संख्या-8

जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर

क्रमांक : प.2(39)निभापुवि/मान्यता/05/ दिनांक :26-5-2005

आदेश

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़ द्वारा संचालित राष्ट्रभाषा पुस्तकालय, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) को राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान की समतुल्य/गैर समतुल्य योजनाओं एवं केन्द्रीय योजनाओं के तहत सहायता/अनुदान आदि के लिए अस्थाई मान्यता प्रदान की जाती है। इस मान्यता के अंतर्गत संस्था राज्य सरकार से किसी भी प्रकार की आर्थिक सहायता/अनुदान आदि प्राप्त करने के लिए पात्र नहीं होगी।

ह.—

(डॉ. अमरसिंह राठौड़)

शासन उप सचिव

क्रमांक : प.2(39)निभापुवि/मान्यता/05/8409-12 दिनांक : 26/05/2005

प्रतिलिपि—निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु—

1. निदेशक, भाषा एवं पुस्तकालय विभाग।
2. सचिव, राष्ट्रभाषा पुस्तकालय, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)।
3. निदेशक, राजा राममोहन राय पुस्तकालय प्रतिष्ठान, कोलकाता।
4. रक्षित पत्रावली।

ह.—

शासन उप सचिव

1961

हीरक जयन्ती की ओर बढ़ते कदम

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति : एक नजर

स्थापना

आज से 55 वर्ष पूर्व श्रीडूंगरगढ़ कस्बे के कुछ युवाओं ने मिलकर पं. मुखाराम सिखवाल के सान्निध्य (सभापति) एवं इन्द्रचन्द बिन्नाणी के संरक्षण में 1 जनवरी 1961 को राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति की स्थापना की। युवाओं (जो अब प्रौढ़ हो चुके हैं) में एक उमंग थी कि कस्बे में भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के उन्नयन के लिए एक संस्था स्थापित हो। उनका उद्देश्य सफल रहा। संस्था अब अपनी स्थापना के 55 वर्ष पूर्ण करने जा रही है। संस्था ने इन 55 वर्षों में प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों तथा हिन्दी परीक्षाओं का संचालन, पुस्तकालय-वाचनालय की स्थापना, प्राचीन हस्तलिखित ग्रंथों एवं रुक्के-परवानों का संग्रह, महत्त्वपूर्ण ग्रंथों का प्रकाशन, संस्था अन्तर्गत 'मरुभूमि शोध संस्थान' एवं राजस्थानी भाषा, साहित्य व संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु 'राजस्थानी साहित्य संस्कृति पीठ' की स्थापना की गई। अध्ययन एवं विचार-विमर्श केन्द्र का संचालन। हिन्दी एवं संस्कृत विद्यालयों की स्थापना कर एक दशक तक संचालन के पश्चात् अपरिहार्यकारणों से इन विद्यालयों का संचालन बन्द कर देना पड़ा। 38 वर्षों से राजस्थानी की साहित्यिक पत्रिका 'राजस्थली' तथा 1995 से शोध पत्रिका 'ख्यात' (अब 'जूनी ख्यात') का अनवरत प्रकाशन किया जा रहा है। इन पत्रिकाओं के अनेक विशेषांक इस दौरान प्रकाशित हुए और काफी चर्चित हुए। एक छोटे से कमरे में शुरू हुई इस संस्था का आज राष्ट्रीय उच्च मार्ग नं. 11 पर 11350 वर्गफुट के विशाल भू खण्ड पर पुस्तकालय कक्ष, शोध कक्ष, सभागार, विश्रामालय, मन्त्री कक्ष तथा रसोई घर इस दो मंजिला भवन में स्थित है।

उद्देश्य

1. जनसाधारण में बौद्धिक विकास के लिए प्राथमिक व उच्च शिक्षा का प्रबन्ध।
2. जनसाधारण का शारीरिक, मानसिक विकास करना तथा गरीब एवं मेधावी अध्ययनार्थी छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षा का प्रबंध करना।
3. ज्ञान-विज्ञान एवं शिक्षा की अभिवृद्धि के लिए शैक्षिक प्रवृत्तियों का संचालन करना।
4. वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, विद्वानों एवं विशिष्टजनों के व्याख्यान तथा समय-समय पर विचार गोष्ठियों व कवि-सम्मेलनों का आयोजन करना।
5. संस्था के माध्यम से हिन्दी, राजस्थानी व संस्कृत भाषा की परीक्षाओं का संचालन तथा उपयुक्त साहित्य का प्रकाशन करना।
6. अनुशासन एवं कर्तव्य परायणता का प्रचार-प्रसार।

7. लोक साहित्य, संस्कृति, हिन्दी-राजस्थानी भाषा साहित्य, इतिहास व पुरातत्त्व, प्रौढ़ शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा आदि का कार्य एवं आवश्यकतानुसार इनके विभाग तथा उपशाखाओं की स्थापना।
8. संभाग के लेखकों के हितार्थ संगठनात्मक संस्था की स्थापना एवं संचालन।
9. उपभोक्ता संरक्षण, सामाजिक न्याय तथा पर्यावरण जागरूकता का कार्य।
10. विभिन्न विषयों पर सेमिनारों, कार्यशालाओं, रैलियों तथा सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन।

प्रवृत्तियां :

1. **सम्मान**-राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय विद्वानों का गत 36 वर्षों से 'साहित्यश्री' से सम्मान।
2. **राष्ट्रभाषा पुस्तकालय**-संस्था परिसर में 1981 से पुस्तकालय संचालित, जिसमें विभिन्न विषयों के 11 हजार से अधिक ग्रंथ अध्ययनार्थ उपलब्ध हैं। पुस्तकालय राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त है।
3. **वाचनालय**-वाचनालय कक्ष में 45 के लगभग विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के पठन की व्यवस्था है।
4. **ख्यात**-इतिहास एवं संस्कृति पर केन्द्रित शोध पत्रिका का गत 15 वर्षों से अनवरत प्रकाशन। वर्तमान में 'जूनी ख्यात' नाम से प्रकाशित।
5. **राजस्थली (तिमाही)**-राजस्थानी भाषा की साहित्यिक पत्रिका का विगत 38 वर्षों से प्रकाशन।
6. **पुरातत्त्व**-भादरा (हनुमानगढ़) एवं सोनारी (खेतड़ी) के उत्खनन से प्राप्त पुरातत्त्व सामग्री का संग्रह तथा श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र से संग्रहित शिलालेख।
7. प्राचीन पाण्डुलिपि व रुक्के परवानों का संग्रह-265 प्राचीन ग्रंथ, 20 बहियां तथा 240 रुक्के परवानों का संग्रहालय।
8. **प्रकाशन**-संस्था द्वारा अब तक विभिन्न विषयों में 50 के लगभग ग्रंथों का प्रकाशन हो चुका है।
9. **अध्ययन एवं विचार-विमर्श केन्द्र**-राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के सहयोग से केन्द्र का संचालन।
10. **शोध विभाग**-(मरुभूमि शोध संस्थान)-संस्था द्वारा सन् 1987 से स्वतंत्र शोध संस्थान का संचालन। अब तक अनेक शोधार्थी लाभान्वित।
11. **राजस्थानी साहित्य संस्कृति पीठ**-राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति से सम्बन्धित गतिविधियों का संचालन।

1961

हीरक जयन्ती की ओर बढ़ते कदम

12. **लेखक कक्ष**-संस्था परिसर में लेखकों के अध्ययनार्थ आवास एवं विश्राम की सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए एक कक्ष का निर्माण करवाया गया है।
13. राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समय-समय पर प्रस्तुति।
14. राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर के सौजन्य से प्रतिवर्ष पाठक मंच व संगोष्ठियों का आयोजन।
15. विभिन्न विषयों पर राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय सेमिनारों का आयोजन।
16. समय-समय पर विभिन्न विषयों पर प्रतियोगिताओं का आयोजन।

शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन

प्रारम्भ में साहित्य सेवा सदन के माध्यम से हिन्दी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती थी। समिति की स्थापना की शुरुआत राष्ट्रभाषा प्रचार समिति वर्धा, बम्बई हिन्दी विद्यापीठ बम्बई तथा भारतीय विद्यापीठ, बम्बई व हिन्दी विद्यापीठ, देवधर की विभिन्न हिन्दी परीक्षा के संचालन से हुई। संस्था मन्त्री श्याम महर्षि को बम्बई हिन्दी विद्यापीठ की ओर से चूरू जिले में आयोजित 15 परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण एवं परीक्षा आयोजन का कार्य सौंप कर जिला प्रमुख (परीक्षा) के रूप में नियुक्त किया। 1962 से 1975 तक विभिन्न संस्थाओं की परीक्षाओं के केन्द्र संस्था द्वारा संचालित हुए। इस दौरान जिले के सैंकड़ों पुलिसकर्मी परीक्षाओं में सम्मिलित होकर उत्तीर्ण हुए और विभाग से उन्हें विशेष वेतन वृद्धि का लाभ मिला। 1975 में समिति के निर्णयानुसार सभी परीक्षा केन्द्र बन्द कर दिए गये तथा भविष्य में साहित्य एवं संस्कृति क्षेत्र में कार्य करने का निर्णय लिया।

प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र

1969 ई. में समिति ने चिड़पड़नाथ की बगीची में प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र का संचालन प्रारम्भ किया। 2 वर्ष पश्चात भाषा विभाग, राजस्थान-जयपुर के आर्थिक सहयोग से कस्बे के आड़सर व मोमासर बास में भी प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों का संचालन किया जाने लगा। कस्बे के अनेक अशिक्षित प्रौढ़ों को साक्षर किया गया। 1978 ई. तक इन केन्द्रों का संचालन होता रहा।

श्री बच्छराज पाठशाला

1968 में कस्बे की पुरानी पाठशाला जो पं. बच्छराज के द्वारा स्थापित थी, जिसे वैद्य चिरंजीलाल शर्मा संचालित करते थे। उन्होंने शाला प्रबन्धन संभालने में असमर्थता प्रकट की। संस्था का कार्यभार उन्होंने राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति को सौंप दिया। प्रधानाध्यापक कन्हैयालाल शर्मा के सान्निध्य में एक दशक तक उक्त संस्था सफलतापूर्वक कस्बे में विद्यार्थियों को लाभान्वित करती रही। 1979 ई. में समिति ने इसका प्रबन्धन कन्हैयालाल शर्मा को सौंप दिया।

आदर्श हिन्दी-संस्कृत विद्यालय

समिति की कार्यकारिणी में श्री बृजलाल व्यास ने प्रस्ताव रखा कि श्रीडूंगरगढ़ में संस्कृत शिक्षा का कोई विद्यालय नहीं है। अत: संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए संस्कृत विद्यालय की स्थापना की जाए। प्रस्ताव को स्वीकृत करते हुए समिति ने आदर्श हिन्दी संस्कृत विद्यालय नाम से विद्यालय संचालन का निर्णय लिया। कालान्तर में विद्यालय को उच्च प्राथमिक स्तर की मान्यता प्राप्त हो गई तथा 1975 ई. तक इसका संचालन होता रहा। आर्थिक कारणों से 1976 की शुरुआत में विद्यालय का संचालन बन्द कर दिया गया।

मरुभूमि शोध संस्थान

समिति का साहित्य-संस्कृति और इतिहास क्षेत्र में शोध-सर्वेक्षण कार्य निरन्तर प्रगति पर था, तब समिति की साधारण सभा द्वारा दिनांक 21.5.1989 को सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि शोध के लिए संस्था के अन्तर्गत एक अलग इकाई बनाई जावे। फलस्वरूप 17.8.1989 को मरुभूमि शोध संस्थान की स्थापना विधिवत् की गई। प्रो. बी.एल. भादानी को इसका अध्यक्ष एवं श्याम महर्षि को सचिव मनोनीत किया गया। 1990 से 1998 के मध्य भादरा (श्मशान) एवं सोनारी की थेड़ से कनिष्क कालीन तथा पहली शती के टेरीकोटा व प्रस्तर शिला ईंटें संस्था सचिव श्याम महर्षि द्वारा प्राप्त कर संस्था को प्रदान की। संस्थान में 18वीं से 19वीं शताब्दी के मध्य की प्राचीन पाण्डुलिपियां एवं रुक्के संग्रहित हैं। संस्थान के अन्तर्गत अब तक 10 प्रांतीय व राष्ट्रीय सेमीनारों का आयोजन किया जा चुका है। 1994 से 2010 तक संस्था की शोध पत्रिका ख्यात का प्रकाशन किया गया। वर्तमान में उक्त पत्रिका जूनी ख्यात के नाम से प्रकाशित हो रही है। संस्थान के अन्तर्गत आठ विभिन्न शोध ग्रंथ प्रकाशित हो चुके हैं। पत्रिका के उल्लेखनीय विशेषांक 1. मारवाड़ विशेषांक 2. शेखावाटी विशेषांक 3.छत्तीसगढ़ विशेषांक 4. राजस्थान का फारसी स्त्रोत विशेषांक आदि है। संस्थान का अपना पृथक शोध कक्ष है।

राष्ट्रभाषा पुस्तकालय

समिति के अन्तर्गत प्रेमचन्द जयन्ती के अवसर पर 32 जुलाई 1995 को राष्ट्रभाषा पुस्तकालय की स्थापना संस्था अध्यक्ष श्याम महर्षि द्वारा 100 पुस्तकें प्रदान की गई। पुस्तकालय में 13560 विभिन्न विषयों की पुस्तकें तथा 1600 बाल साहित्य पुस्तकें कुल 15160 पुस्तकें वर्तमान में उपलब्ध है। वाचनालय में 70 से अधिक पत्र-पत्रिकाएं पाठकों को पढ़ने के लिए उपलब्ध है। पुस्तकालय एवं वाचनालय का अपना अलग कक्ष है।

प्रकाशन

सन् 1972 में समिति द्वारा प्रकाशन कार्य प्रारम्भ किया गया। काव्यांजलि नाम का पहला ग्रंथ प्रकाशित हुआ, जिसकी भूमिका हिन्दी के सुप्रसिद्ध व्यंग्यकार पद्मश्री गोपालप्रसाद व्यास द्वारा लिखी गई। वर्तमान में विभिन्न विषयों के 50 से अधिक ग्रंथ प्रकाशित हो चुके हैं।

पत्र-पत्रिकाएं

- राजस्थली-1977 में समिति द्वारा राजस्थानी भाषा की पत्रिका 'राजस्थली तिमाही' का प्रकाशन प्रारम्भ हुआ जो गत 38 वर्षों से अनवरत श्याम महर्षि एवं रवि पुरोहित के सम्पादन में प्रकाशित हो रही है।
- ख्यात/जूनी ख्यात-अप्रेल 1994 में इतिहास एवं संस्कृति पर केन्द्रित 'ख्यात' नाम की वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ किया गया। गत तीन वर्षों से यह पत्रिका 'जूनी ख्यात' नाम से अर्द्धवार्षिकी के रूप में प्रकाशित हो रही है। पत्रिका का सम्पादन सुप्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. बी.एल. भादानी द्वारा किया जा रहा है।
- हस्तक्षेप-साहित्यिक कार्ड पत्रिका का प्रकाशन तीन वर्ष पश्चात् बन्द कर दिया गया।

प्रगति के पांच वर्ष (2011-2015)

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़ का स्वर्ण जयन्ती वर्ष समारोह 2011 ई. में पूरे वर्ष सौल्लास मनाया गया। 2011 से 2015 के मध्य इन पांच वर्षों में समिति के पदाधिकारीगण एवं सदस्यों के सघन प्रयास स्वरूप समिति ने उल्लेखनीय प्रगति की है। चाहे वह प्रकाशन कार्य हो, चाहे संस्था परिसर में कम्प्यूटर कक्ष तथा विश्राम कक्ष का निर्माण हो। इन पांच वर्षों में स्थानीय, राज्य व राष्ट्रीय स्तर की अनेक गोष्ठियों का आयोजन किया गया। इसी अवधि में समिति एवं उससे सम्बन्धित घटकों का गठन किया गया। 'राजस्थली' तिमाही के लिए विशेष कोष निर्माण का प्रयास किया गया। 2016 में सौजन्यकर्ता शिखवाल परिवार एवं संस्था अध्यक्ष श्याम महर्षि की ओर से ग्यारह-ग्यारह हजार के दो पुरस्कार प्रतिवर्ष प्रदान करने की घोषणा की गई। शोध पत्रिका 'जूनी ख्यात' वार्षिकी से अर्द्धवार्षिकी के रूप में प्रकाशन का निर्णय लिया गया तथा उसका प्रकाशन आरम्भ किया गया।

पुरस्कार

हिन्दी दिवस, 2015 के अवसर पर घोषणा की गई कि प्रति वर्ष एक पुरस्कार हिन्दी भाषा की श्रेष्ठ कृति पर तथा दूसरा राजस्थानी भाषा की श्रेष्ठ कृति पर प्रदान किया जाएगा। समिति के प्रथम अध्यक्ष डॉ. नन्दलाल महर्षि की स्मृति में हिन्दी साहित्य सृजन के लिए ग्यारह हजार रुपये तथा समिति के संस्थापक अध्यक्ष पं. मुखराम सिखवाल की स्मृति में राजस्थानी भाषा के लिए ग्यारह हजार रुपये के पुरस्कार प्रदान किए जायेंगे।

सदस्यता शुल्क सम्बन्धी विवरण

वर्तमान में समिति के विधान के अनुसार चार प्रकार के सदस्य होते हैं। संरक्षक, आजीवन, वार्षिक एवं मानद सदस्य। एक मुश्त 5000/-रुपये प्रदाता संरक्षक, 1100/-रुपये प्रदाता आजीवन तथा 20/-रुपये शुल्क वार्षिक प्रदाता को साधारण सदस्यता प्रदान की जाती है। समिति की विधान की धारा 4 के अन्तर्गत पंचवर्षीय निर्वाचन के पश्चात् देश-प्रदेश के पांच प्रख्यात विद्वानों को मानद सदस्यता प्रदान की जाती है। वर्तमान में 14 संरक्षक, 88 आजीवन तथा 35 साधारण सदस्य है।

राष्ट्रभाषा पुस्तकालय की सदस्यता हेतु :

500/-रुपये प्रदाता को आजीवन सदस्यता तथा 15/-रुपये शुल्क प्रदाता को वार्षिक सदस्यता प्रदान की जाती है। छात्र-छात्राओं को 10/-रुपये वार्षिक शुल्क मात्र पर सदस्यता प्रदान की जा रही है।

जूनी ख्यात की सदस्यता :

व्यक्तिगत 4 अंकों की राशि 300/-रु., संस्थागत 4 अंकों की राशि 400/-रु. एक अंक की 100 रुपये तथा आजीवन सदस्यता शुल्क 1000/-रु. है।

राजस्थली (राजस्थानी साहित्यिक पत्रिका)

पांच वर्ष का शुल्क 400/-रुपये
आजीवन सदस्यता शुल्क 1000/-रुपये
संरक्षक सदस्यता शुल्क 5100/-रुपये

'जूनी ख्यात' सम्पादक मण्डल

प्रो. वसन्त शिंदे	पुरातत्त्व एवं प्राचीन इतिहास	वाईस चान्सलर दक्कन कॉलेज, पूना
प्रो. बी.डी. चट्टोपाध्याय	प्राचीन एवं पूर्व आधुनिक इतिहास	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
प्रो. दिलबाग सिंह	आर्थिक इतिहास	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
प्रो. घनश्याम लाल देवड़ा	राजनीतिक इतिहास	कोटा खुला विश्वविद्यालय कोटा (राज.)
प्रो. के.एस. गुप्ता	प्रोफेसर	मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राज.)
डॉ. मनोहरसिंह राणावत	उप-निदेशक	नटनागर शोध संस्थान सीतामऊ, (म.प्र.)
प्रो. टी.के.माथुर	आधुनिक राजस्थान	महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर
प्रो. एस.पी. व्यास	राजस्थान का सांस्कृतिक इतिहास	जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़

कार्यसमिति (वर्ष 2014-2019)

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़

(संस्था के विधान की धारा 4 के अन्तर्गत मानद सदस्य)

पद्‌मश्री प्रो. लीलाधर जगूड़ी
उपाध्यक्ष
साहित्य कला परिषद्
उत्तराखण्ड, देहरादून

पद्‌मश्री प्रो. जी.एन. दवे
अंग्रेजी विभाग
शिवाजीराज वि.वि.
बड़ौदा

प्रो. अरुण कमल
अंग्रेजी विभाग
पटना विश्वविद्यालय
पटना

श्री हरिराम मीणा
से.नि. आईपीएस
जयपुर

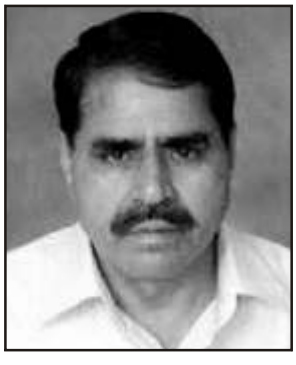

डॉ. सत्यनारायण
से.नि. प्रो. हिन्दी विभाग
ज.ना.व्यास वि.विद्यालय
जोधपुर

हीरक जयन्ती
की
ओर बढ़ते कदम

मरुभूमि शोध संस्थान, श्रीडूंगरगढ़

परामर्शक

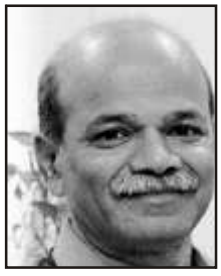

प्रो. वसन्त सिंदे
कुलपति
डेक्कन कॉलेज
(डीम्ड वि.वि.) पुणे

डॉ. कृष्णाकांत पाठक
विशिष्ठ सचिव
मुख्यमंत्री, राजस्थान

प्रो. नारायण बारेठ
विभागाध्यक्ष
मीडिया स्टडीज
ज.सं.प.वि., जयपुर

प्रो. सुधा चौधरी
विभागाध्यक्ष
दर्शन विभाग
मो.ला.सु.वि.,उदयपुर

डॉ. एम .ए. हक
उपनिदेशक
राष्ट्रीय अभिलेखागार
नई दिल्ली

प्रो.कृष्णगोपाल शर्मा
निदेशक
इतिहास-संस्कृति वि.
राज.वि.वि., जयपुर

डॉ.आनंदप्रकाश त्रिपाठी
निदेशक
दूरस्थ शिक्षा
जैन वि. भा., लाडनूं

प्रो. सैयद अयूब अली
इतिहास विभाग
काकातिया वि.वि.
वरांगल (तेलंगाना)

श्री रतन शाह
अध्यक्ष
राज. प्रचारिणी सभा
कोलकाता

श्री के.सी. मालू
अध्यक्ष
वीणा कला अकादमी
जयपुर

मरुभूमि शोध संस्थान, श्रीडूंगरगढ़

प्रबन्ध मण्डल

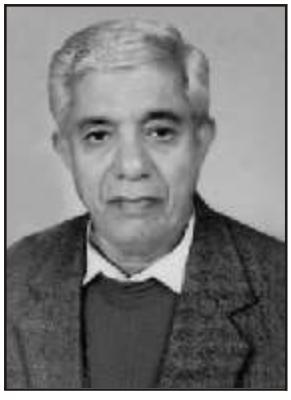

प्रो. बी.एल. भादानी
अध्यक्ष एवं पदेन निदेशक

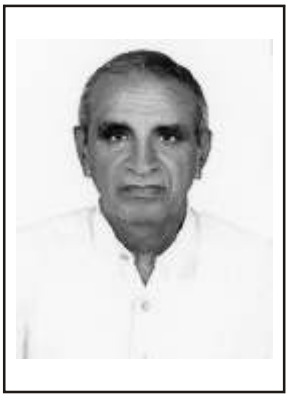

डॉ. भंवरसिंह सामोर
उपाध्यक्ष

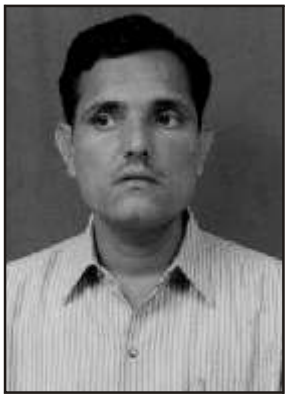

डॉ. चेतन स्वामी
उपाध्यक्ष

श्याम महर्षि
सचिव

सत्यदीप
उपसचिव

रामचन्द्र राठी
उपसचिव

हीरक जयन्ती
की
ओर बढ़ते कदम

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़

प्रकाशन : 2011-2016

स्वर्ण आभा
स्मारिका
2011

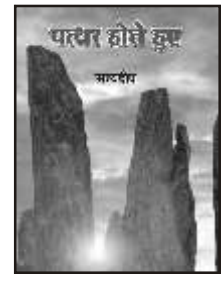

पत्थर होते हुए
काव्य संग्रह
2011

कीं तो बोल
राज. काव्य संग्रह
2011

उकळती ओकळ सूं उपज्या आखर
काव्य समग्र-2014

बुन्देलखण्ड के शिलालेख
2014

बुन्देलखण्ड के दस्तावेज (भाग-2)
2014

बुन्देलखण्ड के दस्तावेज (भाग-3)
2015

उघड़ता अरथ
राज. कविता संग्रह
2015

धुले-धुले चेहरे
कहानी संग्रह
2015

उतरूं ऊंडै काळजै
राज. कविता संग्रह
2015

लोक संस्कृति
निबन्ध संग्रह
2015

कांठळ
राज. कहानी संग्रह
2016

बाल भारती बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय

स्टेशन रोड, श्रीडूंगरगढ़

दूरभाष : 01565-222445

कक्षा नर्सरी से 12वीं तक

वाणिज्य एवं कला वर्ग में संचालित श्रीडूंगरगढ़ का अग्रणीय एकमात्र बालिका विद्यालय

विद्यालय एक नजर में

1. वर्षों से बोर्ड परीक्षाओं का शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम।
2. श्रीडूंगरगढ़ में न्यून अध्ययन शुल्क में उच्च स्तरीय शिक्षा।
3. प्रशिक्षित एवं अनुभवी अध्यापकों द्वारा अध्यापन।
4. छात्राओं के लिए बस सुविधा।
5. सुसज्जित कम्प्यूटर एवं भूगोल लैब।
6. नर्सरी बच्चों के लिए खिलौनों से सुसज्जित कक्ष।
7. कस्बे के मध्य स्वयं का भवन एवं स्वच्छ वातावरण।
8. कक्षा नर्सरी से अंग्रेजी विषय का अध्ययन।

रामचन्द्र राठी	हरिप्रसाद शर्मा	विजय महर्षि
अध्यक्ष	प्रधानाचार्य	सचिव
विद्यालय प्रबन्ध समिति	बा.भा.बा.उ.मा.वि.	विद्यालय प्रबन्ध समिति

1961

हीरक जयन्ती की ओर बढ़ते कदम

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़ के पंचवर्षीय प्रतिवेदन
प्रकाशन के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला इतिहास और सामाजिक सरोकारों को
समर्पित एवं 55 वर्षों की अनथक यात्रा से सामाजिक समरसता के नये
आयाम स्थापित कर

हीरक जयन्ती

की ओर अग्रसर श्रीडूंगरगढ़ के गौरव संस्थान को बधाई

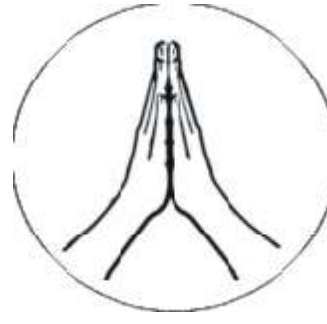

BOTANOSYS LABORATORIES PVT. LTD.

BIKANER

विश्वास शुद्धता का...
सरस
शुद्ध व ताजा
सरस
उत्पाद
श्रीगंगानगर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. हनुमानगढ़ जं. फोन : 01552-260588

सामाजिक सरोकारों व प्रगतिशील मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध एवं समर्पित प्रखर वक्ता, दक्ष शब्द-शिल्पी और जूझारू व्यक्तित्व की मिसाल सम्मान्य **श्री वेद व्यास** के 75 वें जन्म दिवस के अवसर पर उनकी संगठनात्मक-सामाजिक सेवाओं के लिए **'शब्द श्री'** सम्मान से अलंकृत होने पर हार्दिक शुभकामनाएं।

जन्म तिथि : 01 जुलाई, 1942

शिक्षा : स्नातक, साहित्य भूषण, साहित्य रत्न, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली से विशेष प्रशिक्षण।

कार्य सेवा : आकाशवाणी, जयपुर में 1962 से 2002 तक सेवारत।

विशेष उल्लेख : शिक्षा, साहित्य, कला, संस्कृति तथा पत्रकारिता के क्षेत्र में अनवरत लेखन एवं जनशिक्षण के लिए समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता।

अध्यक्ष : आकाशवाणी कलाकार संघ एवं आकाशवाणी कर्मचारी महासंघ (1970-1980)

उपाध्यक्ष : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर (1983-1986)

अध्यक्ष : राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर (1989-1992)

अध्यक्ष : राजस्थान साहित्य अकादमी (1993-1994, 2002-2005, 2011-2013)

संस्थापक-महामंत्री : राजस्थान प्रगतिशील लेखक संघ (1973)

लेखन कार्य : हिन्दी व राजस्थानी में सक्रिय लेखन।

प्रकाशित कृतियां : धरती हेलो मारै (राजस्थानी गीत), परमवीर गाथा (जीवन चरित्र), कीड़ी-नगरो (राजस्थानी गीत), गांधी प्रकाश (राजस्थानी काव्य सम्पादन), राजस्थान के लोकतीर्थ (निबंध संपादन), बारहखड़ी (राजस्थानी काव्य सम्पादन), भारत वर्ष हमारा है (बालगीत), आज रा कवि (राजस्थानी काव्य सम्पादन), एक बनेंगे नेक बनेंगे (बालगीत), परिक्रमा (निबन्ध), लेखक और आज की दुनिया (निबन्ध सम्पादन), समय-समय पर (निबन्ध), जागते को कौन जगाए (निबन्ध), राष्ट्रीय धरोहर (निबन्ध), हलफ़नामा (निबन्ध) एवं तुम समय को लांघ जाओ (कविता संग्रह)। अनेक संग्रहों में संकलित।

वर्तमान में अध्यक्ष : भाईचारा फाउण्डेशन, राजस्थान

संस्थापक : जनयात्रा (पाक्षिक) जयपुर (2011)

अनुभव :

- राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर की संविधान निर्मात्री समिति की सदस्यता।
- केन्द्रीय साहित्य अकादमी के पुरस्कार चयन एवं निर्णायक समिति की सदस्यता।
- राज्य सरकार के केन्द्रीय पुस्तक क्रय समिति की सदस्यता (1990-2000)
- राज्य पुस्तकालय विकास समिति की सदस्यता (2001)
- बिहारी पुरस्कार (2000) मित्र परिषद, राजस्थान
- छठे विश्व हिन्दी सम्मेलन (लन्दन) में राजस्थान सरकार द्वारा प्रतिनिधित्व (1999)
- सातवें विश्व हिन्दी सम्मेलन (सूरीनाम) में राजस्थान सरकार द्वारा प्रतिनिधित्व (2003)
- राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा विशिष्ट साहित्यकार सम्मान 2001-02
- राजस्थान सरकार द्वारा केन्द्रीय पाठ्यक्रम (एन.सी.ई.आर.टी. एवं सी.बी.एस.ई) समीक्षा समिति के संयोजक (2001)
- राज्य कर्मचारी आन्दोलनों के मध्यस्थ की निर्णायक भूमिका (1928 और 1989 का आन्दोलन)।
- आकाशवाणी जयपुर से राजस्थानी भाषा में प्रथम समाचार वाचक (1972)
- राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं सूची में मान्यता हेतु सक्रिय जन आन्दोलन के संयोजक।
- नवज्योति (दैनिक) में राजस्थान के सबसे पुराने साप्ताहिक स्तम्भ 'ध्यानाकर्षण' (1973 से) और 'उल्लेखनीय' का लेखन (1997 से)
- राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा 'राजस्थानी भाषा-सम्मान 2011-2012'

सम्पर्क : 7/122, मालवीय नगर, जयपुर-302017

दूरभाष : 014102553686, मो. : 09414054400

निरोग-दीर्घायु जीवन की कामनाओं सहित
प्रगतिशील मूल्यों से जुड़े समानधर्मा साथीगण

DPPL
DINMAN POLYPACKS PRIVATE LIMITED
VARDAAN, Suite 306, 25A, Camac Street, Kolkata 700 016, W.B. Contact. No. : 09830709009
Features and Prospects
3 Ply bags have excellent aesthetic and functional properties which make it an ideal and cost effective packaging medium.
a) The use of these bags is increasing worldwide to pack :
Food grains : rice, wheat, flour, pulses, sugar etc.
Animal feed
Fertilisers : Micro Nutrients etc.
Detergents, White Cement, Plaster of Paris etc.
Tea, Coffee, Beans etc.
Seeds
Frozen Peas
Salt
Spices
B) Shopping & Promotional Bags : These bags have the advantage of multiple re-uses thus it is good for the environment.
These bags are trendier and inexpensive alternative to the conventional packaging material and it has many advantages as mentioned below.
Excellent branding possibilities
Scratch resistant printing
Better Barrier properties
Difficult to counterfeit
SBR
akshath
Sarkhati
Shanvi
Vaishali
वैशाली
Dulhan
PALKI
Moti
999

शुभकामनाओं सहित

आचार्य मांगीदास यशोदा मैया (स्मृति) शिक्षा एवं शोध सोसायटी बीकानेर (राजस्थान)

(शिक्षा और सामाजिक सरोकार के लिए प्रतिबद्ध संस्थान)

प्रवृत्तियां

- राजीव गांधी विधिक सहायता एवं शोध केन्द्र का संचालन
- आल इण्डिया प्रोग्रेसिव फोरम का संचालन
- राजस्थान शिक्षक समाज (राजस्थान में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा के शिक्षकों के सांझा मंच का संचालन)
- विधिक विचार केन्द्र एवं पुस्तकालय का संचालन
- शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक गतिविधियों के प्रति आमजन में जागृति बढ़ाने का कार्य
- महिला प्रतिभा सम्मान समारोह एवं विशिष्ट जन समारोह का आयोजन।
- निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन।
- सामाजिक क्षेत्र में जनजागृत्ति अभियान एवं विभिन्न ज्वलन्त विषयों पर संगोष्ठियों का आयोजन

श्याम महर्षि
अध्यक्ष
मो. 9414416274

प्रो. अशोक आचार्य
महासचिव
मो. 9829226716

हीरक जयन्ती की ओर बढ़ते कदम

श्रीडूंगरगढ़ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर) राजस्थान

श्रीडूंगरगढ़ तहसील का 21 वर्ष पुराना सहशिक्षा का केन्द्र

(महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय बीकानेर से सम्बद्ध)

हमारी विशेषताएं

- विगत वर्षों में बी.ए.व बी.कॉम का शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम
- 30 से अधिक कमरों का भवन, विशाल परिसर व खेल मैदान व्यवस्था
- सुसज्जित कम्प्यूटर लैब
- विद्यार्थियों के लिए सुव्यवस्थित पुस्तकालय एवं वाचनालय
- राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम का संचालन
- बालिकाओं को उच्च शिक्षा प्रोत्साहन हेतु वार्षिक अध्ययन शुल्क में 30 प्रतिशत छूट
- समाज कल्याण विभाग द्वारा उत्तर मैट्रिक छात्रवृति तथा भूतपूर्व सैनिकों के आश्रित बच्चों को सैनिक कल्याण बोर्ड से छात्रवृति
- मुख्यमंत्री छात्रवृति योजना के अन्तर्गत 12वीं में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को छात्रवृति का लाभ

डॉ. रामकृष्ण शर्मा	श्याम महर्षि	कैलाश नारायण मोहता
प्राचार्य	सचिव	अध्यक्ष

'साहित्य श्री' सम्मान से अलंकृत विद्वतगण

समिति द्वारा 1974 से प्रति वर्ष हिन्दी दिवस के अवसर पर भाषा, साहित्य संस्कृति से जुड़े विद्वान को संस्था की सर्वोच्च मानद उपाधि—'साहित्यश्री' से सम्मानित किया जाता रहा है।

साहित्य संस्कृति व सामाजिक सरोकारों से जुड़े 'साहित्यश्री' से अलंकृत विद्वतगण

1.	श्री से.रा. यात्री	दिल्ली	कथाकार/सम्पादक
2.	श्री धर्मेन्द्र गुप्त	दिल्ली	कथाकार/सम्पादक
3.	श्री मालचन्द तिवाड़ी	बीकानेर	कवि/कथाकार
4.	श्री गणपतिचन्द्र गुप्त	बीकानेर	आलोचक
5.	श्री विश्वम्भरनाथ उपाध्याय	जयपुर	कथाकार/आलोचक
6.	श्री विष्णु प्रभाकर	दिल्ली	कथाकार
7.	श्री लारी आजाद	खुर्जा	आलोचक
8.	श्री रामप्रसाद दाधीच	जोधपुर	कवि/सम्पादक
9.	श्री हरीश भादानी	बीकानेर	कवि
10.	श्री लक्ष्मीकांत जोशी	जोधपुर	सम्पादक
11.	श्री यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र'	बीकानेर	कथाकार/उपन्यासकार
12.	श्री बशीर अहमद मयूख	कोटा	कवि
13.	श्री कन्हैयालाल सेठिया	कोलकाता	कवि
14.	श्री बैजनाथ पंवार	चूरू	कथाकार
15.	श्री कलानाथ शास्त्री	जयपुर	भाषाविद्
16.	श्री रणवीरसिंह	जयपुर	रंगकर्मी/इतिहासकार
17.	श्री पद्मश्री क्षेमचन्द्र सुमन	दिल्ली	सम्पादक
18.	श्री राजानंद भटनागर	बीकानेर	रंगकर्मी/नाटककार
19.	श्री हरदर्शन सहगल	बीकानेर	कहानीकार
20.	श्री प्रदीप शर्मा	चूरू	सम्पादक/कवि
21.	श्री प्रभुनारायण नाट्याचार्य	जयपुर	नाटककार
22.	श्री श्याम सुन्दर सुमन	मथुरा	साहित्य सेवा
23.	श्री धनंजय वर्मा	बीकानेर	गीतकार
24.	श्री डॉ. तेजसिंह जोधा	रणधीसर (नागौर)	कवि
25.	श्री वेद व्यास	जयपुर	साहित्य सेवा
26.	श्री किशोर कल्पना कांत	रतनगढ़	सम्पादक/कवि
27.	श्री गौरीशंकर आचार्य	श्रीगंगानगर	साहित्य सेवा/शिक्षाविद्
28.	श्री सीताराम महर्षि	रतनगढ़	कवि/कथाकार
29.	श्री ए.ए. मंशूर	चूरू	शायर

30. श्री नानूराम संस्कर्ता	कालू	कवि/कथाकार
31. श्री वीरेन्द्रकुमार दुबे	जबलपुर	साहित्य सेवा
32. श्री गजानन वर्मा	रतनगढ़	गीतकार
33. श्री हीरालाल जायसवाल	गोंदिया (महाराष्ट्र)	साहित्य सेवा
34. श्री शिब्बन कृष्ण रैना	अलवर	अनुवादक/साहित्य सेवा
35. श्री नाथूलाल जैन एडवोकेट जनरल	जयपुर	विधिवेत्ता/भाषा प्रचार
36. डॉ. मनोहर शर्मा	बिसाऊ	साहित्य सेवा
38. श्री मित्रेश कुमार गुप्त	मेरठ	साहित्य सेवा
39. डॉ. भूपतिराम साकरिया	वल्लभविद्यानगर (गुजरात)	कवि/कथाकार/ सम्पादक
40. डॉ. मदन सैनी	बीकानेर	कथाकार
41. प्रो. सत्यनारायण	जोधपुर	कथाकार
42. डॉ. चेतन स्वामी	श्रीडूँगरगढ़	कथाकार
43. श्री अन्नाराम सुदामा	गंगाशहर	साहित्य सेवा
44. श्री रतनशाह	कोलकाता	साहित्य सेवा/शिक्षाविद्
45. डॉ. रामकुमार बेहार	रायपुर (छत्तीसगढ़)	कथाकार
46. श्री हरिराम मीणा	जयपुर	साहित्य सेवा
47. श्री तेजनारायण कुशवाह	भागलपुर	साहित्यसेवा
48. श्री मधुकर गौड़	मुम्बई	गीतकार
49. श्री सूर्यशंकर पारीक	बीकानेर	कवि/सम्पादक
50. श्री परमेश्वर द्विरेफ	चिड़ावा	कवि
51. श्री भवानीशंकर व्यास 'विनोद'	बीकानेर	कवि/सम्पादक
52. डॉ. सावित्री डागा	जोधपुर	कवि/साहित्य सेवा
53. श्री वृंदावन त्रिपाठी रत्नेश	परियावां (उत्तरप्रदेश)	साहित्य सेवा
54. श्री कमर मेवाड़ी	कांकरोली	कथाकार/सम्पादक
55. डॉ. देवीप्रसाद गुप्त	बीकानेर	आलोचक
56. श्री मालीराम शर्मा	बीकानेर	व्यंग्यकार
57. श्री श्रीहर्ष	बीकानेर	कवि
58. श्री बी.सी. मालू	कोलकाता	कवि
59. श्री सूरजसिंह पंवार	बीकानेर	नाटककार /रंगकर्मी
60. श्री बलराम	नई दिल्ली	कथाकार/सम्पादक
61. डॉ. जयश्री शर्मा	जयपुर	कवि/सम्पादक
62. डॉ. आईदानसिंह भाटी	जोधपुर	कवि/आलोचक

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति, श्रीडूंगरगढ़ (राज.) द्वारा प्रकाशित/साहित्य

क्र.	पुस्तक	विषय	सम्पादक/लेखक	मूल्य
1.	रेत के पठार	कविता	श्याम महर्षि/राम उपाध्याय	6.00
2.	काव्यांजलि	कविता	श्याम महर्षि/राम उपाध्याय	20.00
3.	राजस्थानी लघुकथा	लघुकथा	श्याम महर्षि	20.00
●4.	राजस्थानी नाटक	नाटक	श्याम महर्षि	10.00
●5.	मेहा रामायण	शोध	श्याम महर्षि	20.00
6.	सूरज उगाळी	कहाणी	श्याम महर्षि	16.00
7.	साच तो है	कविता	श्याम महर्षि	20.00
8.	राजस्थान की साहित्यिक संस्थाएं और उनकी देन	शोध	श्याम महर्षि	65.00
●9.	धड़ंद	कहाणी	मालचन्द तिवाड़ी	25.00
10.	ब्रेख्ट री टाळवीं कवितावां	कविता	श्याम महर्षि	30.00
11.	प्राचीन शिलालेखों में राजस्थानी भाषा	शोध	डॉ. परमेश्वरी सोलंकी	40.00
●12.	राजस्थानी शब्द सम्पदा	शोध	मूलचन्द प्राणेश	50.00
●13.	मेह सूं पेल्या	कविता	श्याम महर्षि	50.00
●14.	मुझे यह गांव अब अच्छा नहीं लगता	कविता	श्याम महर्षि	80.00
15.	अड़वो	कविता	श्याम महर्षि	80.00
●16.	चमगूंगो	कविता	रवि पुरोहित	50.00
●17.	हासियो तोड़ता सबद	कविता	रवि पुरोहित	80.00
●18.	एक और घोंसला	कहानी	रवि पुरोहित	70.00
●19.	म्हारो आभो : म्हारी धरती	कविता	श्याम महर्षि	100.00
20.	गांव	कहानी	श्री भगवान सैनी	90.00

क्र.	पुस्तक	विषय	सम्पादक/लेखक	मूल्य
21.	राजस्थानी भासा : आन्दोलन अर मानताशोध	श्याम महर्षि		100.00
22.	सोनल बेळू रो समदर	कविता	श्याम महर्षि	120.00
●23.	नुंवै बास में	अनुवाद	श्याम महर्षि	75.00
●24.	मेहा गोदारा	विनिबंध	श्याम महर्षि	25.00
25.	यादां रै आंगणियै ऊभा उणियारा	रेखाचित्र	श्याम महर्षि रवि पुरोहित	150.00
●26.	सेना के सूबेदार	कविता	रवि पुरोहित	100.00
27.	सपने का सुख	व्यंग्य	रवि पुरोहित	100.00
28.	तिरंगो	बाल कविता	रवि पुरोहित	20.00
29.	पत्थर होते हुए	कविता	सत्यदीप	130.00
30.	म्हैं ई रेत रमूंला	बाल कविता	श्रीभगवान सैनी	25.00
31.	बुन्देलखण्ड के शिलालेख	शोध	हरिविष्णु अवस्थी	200.00
32.	कीं तो बोल	कविता	श्याम महर्षि	150.00
33.	उकळती ओकळ सूं उपज्या आखर	कविता	रवि पुरोहित	500.00
34.	बुन्देलखण्ड के दस्तावेज भाग-2	शोध	डॉ. सफिया खान	300.00
35.	उघड़ता अरथ	कविता	सुन्दर पारख	200.00
36.	धुले धुले चेहरे	कहानी	रवि पुरोहित	100.00
37.	उतरूं ऊंडे काळजै	कविता	रवि पुरोहित	150.00
38.	लोक संस्कृति	संस्कृति	श्याम महर्षि	200.00

●'चिह्नित पुस्तकें उपलब्ध नहीं है।

संस्था के आयोजन : कैमरे की नजर

राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर के सहयोग से आयोजित 'राजस्थानी बाल साहित्य सम्मेलन' को सम्बोधित करते हुए तत्कालीन अकादमी अध्यक्ष डॉ. महेन्द्र खड़गावत।

स्वर्ण जयन्ती वर्ष के अवसर पर आयोजित 'लोक संगीत संध्या' में प्रस्तुति देते हुए लोक कलाकार।

20 फरवरी 2011 को आयोजित विराट कवि सम्मेलन में मंचस्थ कविगण एवं उद्‌बोधन देते हुए रतनगढ़ के समाजसेवी अभिनेष महर्षि।

भाषा एवं पुस्तकालय विभाग, राजस्थान-जयपुर के सहयोग से आयोजित 'पुस्तक पाठक एवं पुस्तकालय' विषयक संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए संभागीय आयुक्त श्री सूरजमल मीणा, आई.ए.एस.।

राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम

(2011-2015)

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	मुख्य अतिथि	अध्यक्ष	विशिष्ट अतिथि	सौजन्य/वि.वि.
1.	1 व 2 जनवरी 2011	बाल साहित्यकार सम्मेलन	डॉ. महेन्द्र खड़गावत अध्यक्ष राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर	डॉ. मेघराज शर्मा साहित्यकार	मंगलाराम गोदारा विधायक	राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर
2.	1 जनवरी 2011	लोकार्पण— म्हैं ई रेत रमूंला (बाल काव्य- श्रीभगवान सैनी)	—उक्त—	—उक्त—	—उक्त—	—
3.	22 जनवरी 2011	बाल कविता पोस्टर प्रदर्शनी	उद्घाटन श्री लक्ष्मीनारायण रंगा	—	—	—
4.	6 जनवरी 2011	लोक संगीत संध्या	श्री भंवरलाल नागा उप खण्ड अधिकारी	लॉ. महावीर प्रसाद माली	—	राज. संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर
5.	20 फरवरी 2011	कवि सम्मेलन	श्री अभिनेश महर्षि प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता	श्री शिवप्रसाद सिखवाल	—	—

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	मुख्य अतिथि	अध्यक्ष	विशिष्ट अतिथि	सौजन्य/वि.वि.
6.	21 मार्च 2011	संगोष्ठी (पुस्तक पाठक एवं पुस्तकालय)	श्री सूरजमल मीणा संभागीय आयुक्त बीकानेर / श्री पी.आर.लील उपमहाप्रबन्धक बीएसएनएल	श्री वेद व्यास जयपुर	श्री दिनेशचन्द्र सक्सैना अति. उपनिदेशक सु.ज.स	भाषा एवं पुस्तकालय विभाग, जयपुर
7.	30 अप्रेल 2011	सृजन साक्षात्कार (श्री सरल विशारद) बीकानेर	डॉ. मदन केवलिया बीकानेर	श्री शिवप्रसाद सिखवाल	—	—
8.	8 मई 2011	लोक संगीत संध्या	श्री भागूराम सहू प्रधान, पंचायत समिति	श्री डी.पी.पच्चीसिया बीकानेर	—	राजस्थान पत्रिका बीकानेर
9.	26 जून 2011	व्याख्यान (समकालीन साहित्य और बाजारवाद)	श्री मालचन्द तिवाड़ी बीकानेर	प्रो. पल्लव, सं. बनास नई दिल्ली	—	राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
10.	24 से 26 जुलाई, 2011	मध्यकालीन राज. (राष्ट्रीय सेमीनार) प्रथम दिवस	प्रो. गंगाराम जाखड़ कुलपति, म.गं.वि.वि. बीकानेर	श्री रणवीरसिंह रा.अध्यक्ष इप्टा, जयपुर	डॉ. इशरत अलिम सचिव ICHR, नई दिल्ली	भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली
		समापन सत्र	श्री भवानीशंकर शर्मा, महापौर, बीकानेर	प्रो. बी.के. वशिष्ठ, जयपुर		
11.	7 अगस्त 2011	संगोष्ठी (नागरी लिपि की वैज्ञानिकता)	डॉ. चेतन स्वामी	डॉ. रामकृष्ण शर्मा	—	नागरी लिपि परिषद् नई दिल्ली

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	मुख्य अतिथि	अध्यक्ष	विशिष्ट अतिथि	सौजन्य/वि.वि.
12.	14 सितम्बर 2011	हिन्दी दिवस समारोह	श्रीहर्ष बीकानेर	श्री सत्यनारायण इन्दौरिया रतनगढ़	— —	साहित्य श्रीसम्मान श्री सूरजसिंह पंवार, बीकानेर
13.	16 व 17 अक्टूबर 2011	स्वर्ण जयन्ती उद्घाटन सत्र	श्री राजेन्द्रसिंह गुढ़ा संस्कृति राज्यमन्त्री रा. सरकार, जयपुर	श्री वेद व्यास अध्यक्ष प्रलेस, जयपुर	—	श्री अभिनेश महर्षि जयपुर
		संगोष्ठी (सूचना क्रांति व आज जीवन परिदृश्य)	श्री नन्द भारद्वाज जयपुर	श्री रणवीरसिंह इप्टा, जयपुर	—	साहित्य मार्तण्ड सम्मान 1. श्री नन्द भारद्वाज, जयपुर 2. डॉ. मदन केवलिया बीकानेर 3. डॉ. रमाकान्त शर्मा जोधपुर 4. नीलप्रभा भारद्वाज श्रीगंगानगर 5. श्री किसन दाधीच उदयपुर 6. डॉ. भैरूंलाल गर्ग भीलवाड़ा 7. 'इतिहास श्री' प्रो. भंवर भादानी, बीकानेर

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	मुख्य अतिथि	अध्यक्ष	विशिष्ट अतिथि	सौजन्य/वि.वि.
	16-10-2011	कवि सम्मेलन	श्री अर्जुनराम मेघवाल सांसद, बीकानेर	डॉ. महेन्द्र खड़गावत निदेशक, राज.रा.अभि.	श्री कैलाशनारायण मोहता समाज सेवी	—
	17-10-2011	समापन सत्र	पद्मभूषण प्रो. विजयशंकर व्यास, जयपुर	श्री भवानीशंकर शर्मा महापौर, बीकानेर	प्रो. अशोक आचार्य बीकानेर	
	17-10-2011	संगोष्ठी (सांस्कृतिक संस्थाओं का सामाजिक विकास में योगदान)	श्री भवानीशंकर व्यास विनोद, बीकानेर	डॉ. रमाकांत शर्मा जोधपुर	श्री अशोक माथुर सं. लोकमत बीकानेर	
दो दिवसीय कार्यक्रम में : 1. स्वर्ण आभा का लोकार्पण 2. 53 संस्था सहयोगीगण का सम्मान 3. समिति की विकास यात्रा पर केन्द्रित संस्था की शोध पत्रिका 'जूनी ख्यात' का लोकार्पण 4. युगपक्ष दैनिक, बीकानेर, सूरतगढ़ टाइम्स, पाक्षिक व बीकानेर एक्सप्रेस के विशेषांकों का लोकार्पण किया गया।						
14.	26 व 27 नवम्बर, 2011	राज्य सेमीनार (राजस्थान की संस्कृति और परम्परा)	प्रो. रामानुज देवनाथ आचार्य कुलपति, ज.रा.राजस्थान	प्रो. डी.एन.पुरोहित पूर्व कुलपति संस्कृत वि.वि. जयपुर	डॉ. के.सी.मालू सं. स्वर सरिता मदस, वि.वि., अजमेर	संस्कृत विभाग राज. जयपुर जयपुर
		समापन सत्र	डॉ. किरण नाहटा बीकानेर	श्री भवानीशंकर व्यास 'विनोद', बीकानेर	—	
15.	24 व 25 दिसम्बर, 2011	राज्य स्तरीय नागार्जुन जन्मशताब्दी समारोह	श्री जितेन्द्र सोनी आईएएस, पाली	श्री भवानीशंकर व्यास 'विनोद' बीकानेर	डॉ. उमाकान्त गुप्त, बीकानेर	राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	मुख्य अतिथि	अध्यक्ष	विशिष्ट अतिथि	सौजन्य/वि.वि.
	25 दिसम्बर, 2011	समापन सत्र नागार्जुन जन्म शताब्दी समारोह	डॉ. पुरुषोत्तम आसोपा जोधपुर	डॉ. महेन्द्र खड़गावत बीकानेर	—	राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
16.	1 जनवरी 2012	रचना पाठ (हिन्दी कविता/ कहानी)	श्री गिरीश पंकज जयपुर	श्री श्याम महर्षि श्रीडूँगरगढ़	**साहित्य मार्तण्ड सम्मान** 1. योगेन्द्रनाथ शर्मा अरुण, रुड़की 2. गिरीश पंकज, रायपुर **विशिष्ठ सम्मान** 1. उद्भ्रान्त, दिल्ली 2. ब्रिजेन्द्र त्रिपाठी, नई दिल्ली	साहित्य अकादेमी नई दिल्ली
17.	1 अगस्त 2012	लोक संगीत संध्या	श्री मंगलाराम गोदारा विधायक	श्री सुशील कुल्हरी एसडीओ, आरएएस	—	—
18.	17 नवम्बर 2012	पाठक मंच पुस्तक-पत्थर होते हुएह्नसत्यदीप	श्रीभगवान सैनी	श्री रामकिशन उपाध्याय	काव्य पाठ	राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर
19.	23 से 25 मार्च, 2013	सांस्कृतिक समारोह उद्घाटन सत्र	श्री रणवीरसिंह रा. अध्यक्ष, इप्टा	श्री शोभाचंद आसोपा एडवोकेट	डॉ. भंवरसिंह सामौर, चूरू	संस्कृति विभाग राज., जयपुर

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	मुख्य अतिथि	अध्यक्ष	विशिष्ट अतिथि	सौजन्य/वि.वि.
		समापन सत्र सांस्कृतिक समारोह	श्री मंगलाराम गोदारा विधायक	लॉ. महावीर माली	—	—
20.	15 जून, 2013	काव्य गोष्ठी	श्री श्याम महर्षि अध्यक्ष, रा.भा.सा.एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर			
21.	20 जुलाई 2013	प्रेमचन्द जयन्ती	श्री रामचन्द्र राठी	श्री भंवर भोजक	—	—
22.	1 सितम्बर, 2014	कम्प्यूटर कक्ष का उद्घाटन	श्री मंगलाराम गोदारा विधायक	श्री श्याम महर्षि अध्यक्ष, रा.भा.सा. एवं सं. अकादमी बीकानेर	—	विधायक कोटे से निर्मित
23.	14 सितम्बर 2014	हिन्दी दिवस	श्री बलराम नई दिल्ली	प्रो. एच.एस. पिंडालिया केन्द्रीय वि.वि. नारनोल	—	साहित्यश्री सम्मान बलराम
24.	27 सितम्बर 2013	विश्रामकक्ष का उद्घाटन	श्री भीखमचन्द पुगलिया कोलकाता	श्री तुलसीराम चौरड़िया	—	श्री भीखमचन्द पुगलिया के सौजन्य से निर्मित
25.	18 अक्टूबर 2013	संगोष्ठी (साहित्य का सामाजिक उत्तरदायित्व	श्रीहर्ष बीकानेर	श्री श्याम महर्षि अध्यक्ष, रा.भा.सा.एवं सं.अकादमी बीकानेर	—	

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	मुख्य अतिथि	अध्यक्ष	विशिष्ट अतिथि	सौजन्य/वि.वि.
26.	21 जनवरी 2014	उत्तर मध्य क्षेत्रीय सांस्कृतिक समारोह	श्री सत्यनारायण बिहानी अध्यक्ष, न.पा.	श्री भागूराम सहू प्रधान, पं.स.	—	उत्तर-मध्य सांस्कृतिक केन्द्र इलाहाबाद उत्तर-मध्य सांस्कृतिक केन्द्र श्री राकेश सिन्हा का सम्मान
27.	26 जनवरी 2014	वातानुकूलित विश्राम कक्ष का उद्घाटन	साध श्री राधाकिशन जयपुर	—	—	बालूमल खटनाणी श्रीडूँगरगढ़
28.	21 फरवरी 2014	मातृभाषा दिवस	—		श्री श्याम महर्षि	
29.	27 अप्रेल 2014	सृजन संवाद रचना प्रस्तुति	—		श्री बनवारीलाल खामोश, चूरू	रचनाकार- श्री राजेश चढ्ढा सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)
30.	25 मई, 2014	सृजन संवाद रचना प्रस्तुति	—		डॉ. चेतन स्वामी	गीतकार- भागीरथसिंह भाग्य बगड़ (झुंझुनूं)
31.	27 जुलाई, 2014	सृजन संवाद रचना प्रस्तुति	—		डॉ. मदन सैनी	कवि-डॉ.गजादान चारण डीडवाना(डीडवाना)

क्र.सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	मुख्य अतिथि	अध्यक्ष	विशिष्ट अतिथि	सौजन्य/वि.वि.
32.	14 सितम्बर, 2014	हिन्दी दिवस समारोह	प्रो. शालिनी मूलचंदानी बीकानेर		डॉ. किरण नाहटा बीकानेर	साहित्यश्री सम्मान जयश्री शर्मा, जयपुर
33.	25 सितम्बर 2014	ज्ञान गोठ (राजस्थानी निबन्ध संगोष्ठी)	प्रो. जहूरखां मेहर जोधपुर	प्रो. अर्जुनदेव चारण, जोधपुर	डॉ. किरण नाहटा	साहित्य अकादेमी नई दिल्ली
34.	22 फरवरी, 2015	लोकार्पण (उतरुं ऊंडै काळजै) राजस्थानी काव्य- रवि पुरोहित	पुष्पा पुरोहित	श्री श्याम महर्षि	—	—
35.	23 मार्च 2015	लोक संगीत संध्या	श्री तोलाराम जाखड़ समाजसेवी	श्री सत्यनारायण सुथार आरटीएस	—	राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर
36.	26 जुलाई 2015	सृजन संवाद	—	डॉ. चेतन स्वामी	—	कवि-विनोद स्वामी, परलीका
37.	14 सितम्बर 2015	हिन्दी दिवस समारोह	श्री सत्यदेव सवितेन्द्र बीकानेर	श्री सरल विशारद बीकानेर		साहित्यश्री सम्मान डॉ. आईदानसिंह भाटी, जोधपुर
38.	25 सितम्बर 2015	राजस्थानी लोकगाथा परिसंवाद	डॉ. सोहनदान चारण जोधपुर	डॉ. अर्जुनदेव चारण जोधपुर	श्री भंवरसिंह सामौर चूरू	साहित्य अकादेमी नई दिल्ली